



Umesh Puri

16 Dec 1956

01:38 AM

Pune

Model: web-freelalkitab

Order No: 121149602

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 15-16/12/1956
दिन _____: शनि-रविवार
जन्म समय _____: 01:38:00 घंटे
इष्ट _____: 46:38:07 घटी
स्थान _____: Pune
राज्य _____: Maharashtra
देश _____: India

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

अक्षांश _____: 18:34:00 उत्तर
रेखांश _____: 73:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:34:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 01:03:52 घंटे
वेलान्तर _____: 00:04:49 घंटे
साम्पातिक काल _____: 06:41:39 घंटे
सूर्योदय _____: 06:58:45 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:59:50 घंटे
दिनमान _____: 11:01:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 00:35:50 धनु
लग्न के अंश _____: 16:38:27 कन्या

चैत्रादि संवत / शक _____: 2013 / 1878
मास _____: मार्गशीर्ष
पक्ष _____: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 12
तिथि समाप्ति काल _____: 07:17:27
जन्म तिथि _____: 13
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: भरणी
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 12:15:42 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: कृतिका
सूर्योदय कालीन योग _____: शिव
योग समाप्ति काल _____: 12:12:45 घंटे
जन्म योग _____: सिद्ध
सूर्योदय कालीन करण _____: बालव
करण समाप्ति काल _____: 07:17:27 घंटे
जन्म करण _____: तैतिल
भयात _____: 33:25:44
भभोग _____: 57:10:40
भोग्य दशा काल _____: सूर्य 2 वर्ष 6 मा 4 दि

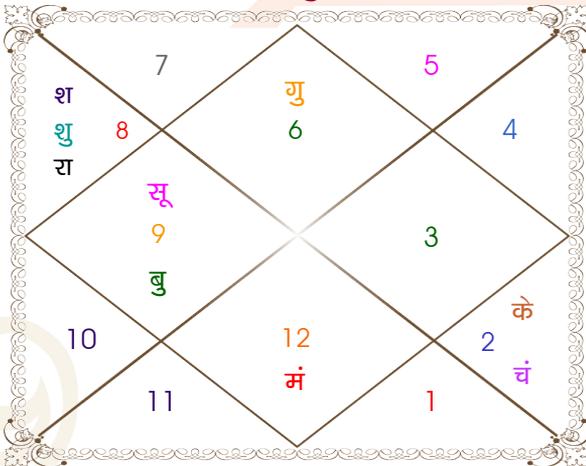
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	कन्या	16:38:27	---	--	--	--	नेक
सूर्य	धनु	00:35:50	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र	वृष	04:24:58	मूलत्रिकोण	--	--	--	मन्दा
मंगल	मीन	11:32:08	मित्र राशि	--	--	--	नेक
बुध	धनु	17:58:55	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	कन्या	07:00:28	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	वृश्चिक	01:49:21	सम राशि	--	--	--	मन्दा
शनि	वृश्चिक	14:14:00	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
राहु	वृश्चिक	05:40:32	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
केतु	वृष	05:40:32	सम राशि	--	--	हाँ	मन्दा

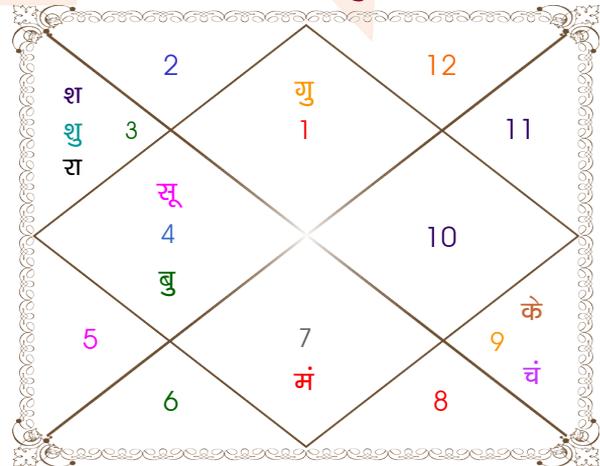
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	हाँ	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के चौथे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप धन एकत्र करते रहेंगे। उस धन का लाभ दूसरे को मिलेगा मगर आपकी संतान करोड़पति होगी। आप नये अविष्कार से लाभ प्राप्त करेंगे। नये कार्यों में सफलता मिलेगी। आप अपना पैतृक कार्य छोड़ कर नया काम करेंगे तो खूब लाभ होगा। आप विदेश में निवास करेंगे। पिता के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा। आप घर में हैंडपंप, कुंआ आदि लगावएं तो शुभ फल होगा और आपके मन में शांति रहेगी। आप 25 से 50 वर्ष की आयु तक खूब लाभ कमाएंगे। आप कपड़े, पानी और दूध के व्यवसाय से खूब लाभ प्राप्त करेंगे। आपको कपड़े के व्यवसाय से अधिक लाभ मिलेगा। आप काफी धन संग्रह कर सकेंगे। आप फलों वाले पेड़-पौधे लगाएं। आपका भाग्य अच्छा है। आप अपने काम रात में करें तो अधिक लाभ होगा। आपके घर पर कोई मुसीबत नहीं आएगी। सरकारी विभाग या समुद्र की यात्रा से लाभ मिलेगा, वाहनों से संबंधित कामों में लाभ होगा। पत्नी से लाभ होगा या पत्नी की नौकरी में तरक्की होगी।

यदि आपको चोरी की आदत होगी, दूसरे लोगों के बनते काम बिगाड़े, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखें या किसी स्त्री से बदतमीजी की तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से औलाद पर बुरा असर पड़ेगा। माता एवं बहन के सुख में हानि हो सकती है। समस्या न होने पर भी आप उदास रहेंगे। माता का मन अशांत एवं स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। जीवन में कई कठिनाइयां आ सकती हैं। अगर आप दूसरों के बने बनाये काम बिगाड़े तो रक्तचाप का भय और आपके कार्यों में रुकावटें पैदा होंगी और माता-पिता का सुख कम हो जायेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोरी की आदत से बचें।
2. स्त्रियों के झगड़े में न पड़ें।

उपाय :

1. अंधों को भोजन दें।
2. शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में नौवे खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से आप दुःखियों के हमदर्द, समाज में आदरणीय, पैतृक जायदाद मिलेगी और उससे अधिक लाभ होगा। हर प्रकार से जीवन उत्तम बीतेगा। आपके जीवन के 24वें वर्ष में चंद्रमा का अच्छा फल मिलेगा। आप घूमने-फिरने के शौकीन होंगे। तीर्थयात्रा भी करेंगे। आपका स्वभाव सरल, संगीत में रुचि

रखने वाले, धार्मिक और कुशल कार्यकर्ता होंगे। आप गणित विद्या के माहिर होंगे। आप धर्म का पालन करेंगे। आपको अच्छी संतान का सुख नसीब होगा। आपके धन-दौलत में बरकत होगी। 34 वर्ष की आयु के बाद साधारण लेकिन 48 वर्ष की आयु के बाद आर्थिक हालात अच्छी हो जाएगी। आप विदेश का सफर करेंगे। दान-धर्म के कार्यों में पूरी दिलचस्पी रखेंगे। पिता के प्रति अच्छा व्यवहार रहेगा। पिता का पूरा सुख नसीब होगा। कभी-कभी आपसे गलत काम हो सकते हैं इसका विशेष ध्यान रखें। स्वभाव से साधू तथा व्यवहार में नम्र होंगे। यदि सिंह बन कर रहना चाहें तो उथल-पुथल होती रहेगी। आपके लिए नम्र बन कर रहना ही शुभकारक है। आप जीवन में तरक्की की चोटी तक पहुंच जाएंगे।

यदि आपने धार्मिक कार्यों के विरुद्ध कार्य किया या धर्म के नाम पर चंदा मांगा, माता को कष्ट दिया या माता का विरोध किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी अक्ल धोखा देगी, आपका छोटा दिल होगा और आवारा घूमने से हानि होगी। चांदी-पानी-चावल आदि सफेद वस्तुओं का कार्य हानि देगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।
2. झूठ-झूठ से दूर रहें।

उपाय :

1. तीर्थ यात्रा करें या धार्मिक कार्य करें।
2. चंद्र ग्रहण के समय 4 सूखे नारियल जल प्रवाह करें।